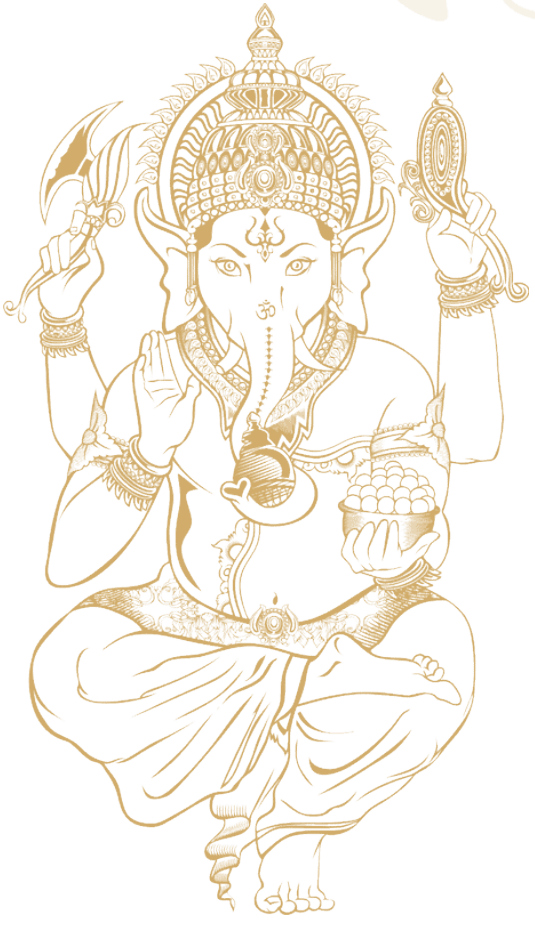

Mr. Vishwas

Ms. Dhanshri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119317502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/06/1996	जन्म तिथि	11-12/05/2001
शनिवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 06:00:00	जन्म समय	01:32:00 घंटे
घटी 01:30:37	जन्म समय(घटी)	49:57:10 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:45	सूर्योदय	05:33:08
19:13:56	सूर्यास्त	19:02:18
23:48:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:16

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 15वर्ष 11मा 19दि		25:02:55	वृष	लग्न	कुंभ	04:42:47	शुक्र 13वर्ष 2मा 1दि	
बुध		16:59:48	वृष	सूर्य	मेष	27:18:16	चन्द्र	
21/05/2012		05:27:36	वृश्चि	चंद्र	धनु	17:53:13	12/07/2020	
21/05/2029		27:50:00	मेष	मंगल व	धनु	05:10:41	13/07/2030	
बुध	17/10/2014	26:30:32	मेष	बुध	वृष	16:07:25	चन्द्र	13/05/2021
केतु	14/10/2015	22:41:58	धनु व	गुरु	वृष	21:58:17	मंगल	12/12/2021
शुक्र	14/08/2018	01:44:04	मिथु व	शुक्र	मीन	15:15:47	राहु	13/06/2023
सूर्य	21/06/2019	11:44:02	मीन	शनि	वृष	08:43:24	गुरु	12/10/2024
चन्द्र	19/11/2020	21:59:00	कन्या व	राहु	मिथु	13:17:25	शनि	13/05/2026
मंगल	16/11/2021	21:59:00	मीन व	केतु	धनु	13:17:25	बुध	12/10/2027
राहु	05/06/2024	10:33:32	मक व	हर्ष	कुंभ	00:50:12	केतु	12/05/2028
गुरु	11/09/2026	03:40:13	मक व	नेप व	मक	14:54:21	शुक्र	11/01/2030
शनि	21/05/2029	07:40:28	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	20:39:57	सूर्य	13/07/2030

लग्न-चलित

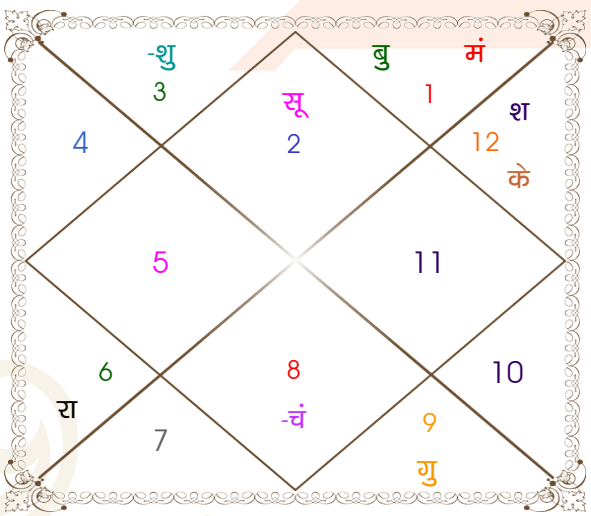

लग्न-चलित

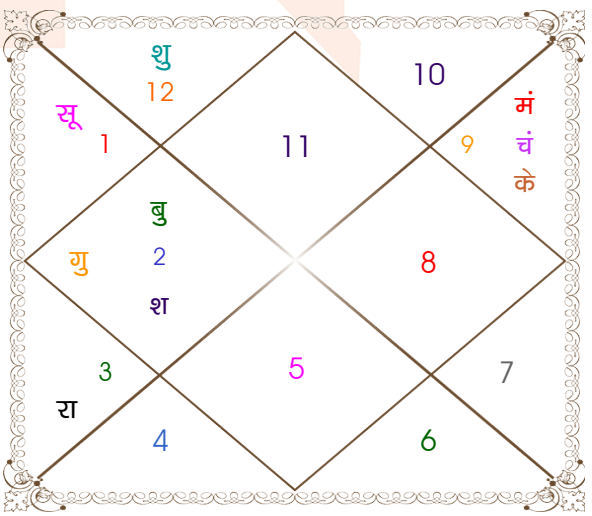

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण टर्प्ीं का वर्ग सर्प है तथा डेण वींदीतप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण टर्प्ीं और डेण वींदीतप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण टर्प्ीं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण टर्प्ीं कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण टर्प्ीं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेप वींदीतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेप वींदीतप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण टर्पीं तथा डेप वींदीतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।